

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 617वीं बैठक दिनांक 03/01/2023 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रूबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. (डॉ.) आलोक मित्तल, सदस्य ।
6. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
7. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
8. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

1. **Case No 9168/2022 M/s Rakesh Agencies, 26/52, Alfrat Ganj, Madhai Ka Bagicha, B.D. Agrawal Ward, Distt. Katni (M.P.) Prior Environment Clearance for Bauxite, Laterite Ochre & White Earth Quarry in an area of 15.78 ha. (Bauxite - 28769 Tonne per annum, Laterite - 11567 Tonne per annum, Mineral Reject - 8412 Tonne per annum, OB - 3504 Tonne per annum) (Khasra No. 43P), Village - Kumhra Judwani, Tehsil - Semariya, Dist. Rewa (MP) Env. Consultant M/s. Creative Enviro Services, Bhopal.**

This is case of Bauxite, Laterite Ochre & White Earth Quarry. The application was forwarded by Online SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 43P), Village - Kumhra Judwani, Tehsil - Semariya, Dist. Rewa (MP) 15.78 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 573वीं दिनांक 28/05/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी । राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है ।

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक की ओर से उनके अधिकृत प्रतिनिधि श्री एन.पी. मिश्रा और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री उमेश मिश्रा, मेसर्स क्वांटिफ इन्वायरो सर्विसेस, भोपाल उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान 50 वर्ष हेतु 08/11/1982 से 07/11/2032 तक के लिए स्वीकृत है जिसमें 1992 तक खनन कार्य किया गया

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

हैं तदुपरांत खनन् कार्य बंद है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन् क्षेत्र के पास पूर्व दिशा में 235 मीटर एवं 370 मीटर पर आबादी / बसाहट है किंतु खनन् के दौरान ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा खनन् कार्य सरफेस से 03 मीटर की गहराई तक किया जायेगा । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि लीज क्षेत्र के पूर्वी भाग से कच्चा रास्ता निकल रहा है जो ग्रामीण सड़क है तथा खनन् के दौरान मात्र 08 डम्पर प्रति दिन खनिज परिवहन किया जायेगा । कच्चा रास्ता के संरक्षण हेतु मार्ग के दोनों ओर 45मी-45मी की दूरी (एम.एम.आर.1961 के अनुसार) छोड़कर (सेटबैक) खनन् कार्य किया जाएगा एवं इस सेटबैक में मार्ग के दोनों तरफ वृक्षारोपण किया जाएगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया गया कि खदान क्षेत्र के भीतर कुल 24 पेड़ लगे हुये हैं जिनमें से 15 पेड़ो (10 सेझा एवं 05 नीम) का काटा जाना प्रस्तावित है, जिसके एवज् में आज दिनांक तक परिवहन मार्ग के दोनों तरफ 328 पौधों का रोपण किया जा चुका है जिसके फोटोग्राफ प्रस्तुतीकरण में संलग्न है । परियोजना प्रस्तावक ने प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया कि इस आवंटित खनन् क्षेत्र के पास हमारा ही एक और खदान आवंटित है तथा एक अन्य खदान मेसर्स जयलाल भरतलाल के नाम से आवंटित है तथा इन तीनों खनन् क्षेत्र से होकर यह कच्चा रास्ता निकल रहा है, जिस कारण इस रास्ते का 900 मीटर डायवर्सन किया जाना प्रस्तावित है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा वृक्षारोपण, सड़क की मरम्मत व शिक्षा संबंधी कार्य, तलैया का रखरखाव व गहरीकरण में सहयोग, गांव में पेयजल की व्यवस्था, सीवेज की नाली का निर्माण एवं स्वास्थ्य शिविर इत्यादि कार्य किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. में शामिल किया गया है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा लगभग 13500 वृक्ष लगाने का प्रस्ताव दिया गया है । इसी प्रकार खदान का पानी खेतों में न जाये इस हेतु खदान के चारो ओर गारलेण्ड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक का प्रस्ताव दिया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई.आई.ए., पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता बाक्साइट 28,769 टन प्रति वर्ष, लेटराइट – 11567 टन प्रति वर्ष एवं रिजेक्ट मिनरल 8,412 टन प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 34.33 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 17.35 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 15.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

Commitment towards public hearing Issue in terms of Physical Target		
SN	Issues	Cost in Rs
1	Construction of pond at village Chitti	2.00lakh
2	Construction of toilet for girls and boys at School with water tank	1.00 lakh

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

3	Half yearly free health camp for villagers i.e. Chitti, Kumhra Judwani, Saliya etc	0.50 lakh
4	To provide two handpump at village Kumhra Judwani for drinking water facility	3.00lakhs
5	Construction of Room for Library at Govt Higher Secondary School at Village Raura , tehsil Raipur Kalchriyan , Rewa (MP)	Rs 3 Lacs
6	Plantation distributing at village i.e. Kumhra Judwani, @2000	1.0 lakhs
7	Contribution of construction of WBM road	5.00Lakhs
Total		15.50 lakh

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 13,500 वृक्षों का वृक्षारोपण :—

Plant Species For Mine Area, Transportation Road And Village Distribution				
Phase	Location	Name of Tree/ shrub/Herbs	No. of Plants	Remark
1 <sup>st</sup> year	In barrier zone and Road side within lease area	Chirol, Karanj, Pipal, Khamer, Neem, Sissoo, and other local species	2000	Inside Fencing (Trench of 45 cm will be provided with channelling facility Over heap and along the drain. Drain will be inside the lease area which will be fenced
2 <sup>nd</sup> year	In barrier zone and Road side within lease area	Chirol, Karanj, Pipal, Mango, Khamer, Neem, Sissoo, and other local species	2000	Trench of 45 cm will be provided with channelling facility
3 <sup>rd</sup> to CP	Bench area and backfilled area	Karanj Kastar, Siso and other local species	7500	Within lease area which will be fenced
	Total		11500	
1 <sup>st</sup> year	For village distribution	Neem, Mango, Guava, Imli, Awala, Bel, Munga, Mahua and other local species	2000	
Total			13500	

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

2. **Case No 9216/2022 M/s Rakesh Agencies, Partner, Surendra Singh Saluja, 26/52, Alfratganj, Madhai ka Bagicha, BD Agarwal Ward Katni MP - 485221, Prior Environment Clearance for Bauxite, Ochre & White Mine in an area of 12.95 ha. (Bauxite - 8061 Tonne per annum, Ochre - 9620 Tonne per annum, Mineral Reject - 4138 Tonne per annum, TPA & OB - 3515 Tonne per annum) (Khasra No. 1(P)), Village - Chitti, Tehsil - Semariya, Dist. Rewa (MP) M/s. Creative Enviro Services, Bhopal.**

This is case of Bauxite, Ochre & White Mine. The application was forwarded by Online SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1(P)), Village - Chitti Jaggir, Tehsil - Semariya, Dist. Rewa (MP) 12.95 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 579वीं दिनांक 17/06/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक की ओर से उनके अधिकृत प्रतिनिधि श्री एन.पी. मिश्रा और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री उमेश मिश्रा, मेसर्स क्वाटिव इंवायरो सर्विसेस, भोपाल उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान 50 वर्ष हेतु 08/11/1982 से 07/11/2032 तक के लिए स्वीकृत है जिसमें 1992 तक खनन कार्य किया गया है तथा उसके पश्चात् से खनन कार्य बंद है।

परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन क्षेत्र पूर्वी भाग में खनन क्षेत्र के लगभग आधे भाग में आबादी है किंतु खनन के दौरान ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा खनन कार्य सरफेस से 03 मीटर की गहराई तक किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जिस तरफ आबादी है उस तरफ खनन कार्य करने की कोई योजना नहीं है तथा यह नॉन माइनिंग क्षेत्र के रूप में प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि लीज क्षेत्र के पूर्वी भाग से जो कच्चा रास्ता निकल रहा है उसके संरक्षण हेतु मार्ग के दोनों ओर 45मी - 45मी की दूरी (एम.एम.आर.1961 के अनुसार) छोड़कर कार्य किया जाएगा एवं मार्ग के दोनों तरफ वृक्षारोपण किया जाएगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान क्षेत्र के भीतर कुल 164 पेड़ लगे हुये हैं जिनमें से कोई भी पेड़ को काटा जाना प्रस्तावित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने आगे बताया कि लीज एरिया के परिवहन मार्ग में अभी तक 331 पौधों का रोपण किया जा चुका है। खदान क्षेत्र के जिस भाग में कार्य किया जाना प्रस्तावित है उस भाग में कोई भी वृक्ष नहीं पाया गया है जो भी वृक्ष लीज क्षेत्र में दिखाई दे रहे हैं उस भाग में कोई भी कार्य किया जाना प्रस्तावित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा रोजगार, वृक्षारोपण, सडक की मरम्मत व शिक्षा संबंधी कार्य, तलैया का रखरखाव व गहरीकरण में सहयोग, गांव में पेयजल की व्यवस्था, सीवेज की नाली का निर्माण, कन्या विवाह एवं स्वास्थ्य शिविर इत्यादि कार्य किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. में शामिल किया गया है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा लगभग 12150 वृक्ष लगाने का प्रस्ताव दिया गया है । इसी प्रकार खदान का पानी खेतों में न जाये इस हेतु खदान के चारो ओर गारलेण्ड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक का प्रस्ताव दिया गया है । परियोजना प्रस्तावक ने प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया कि इस आवंटित खनन् क्षेत्र के पास हमारा ही एक और खदान आवंटित है तथा एक अन्य खदान मेसर्स जयलाल भरतलाल के नाम से आवंटित है तथा इन तीनों खनन् क्षेत्र से होकर यह कच्चा रास्ता निकल रहा है, जिस कारण इस रास्ते का 900 मीटर डायवर्सन किया जाना प्रस्तावित है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई.आई.ए., पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता बाक्साइट – 8061 टन प्रति वर्ष, ओकर एवं वाइट क्ले – 9620 टन प्रति वर्ष एवं रिजेक्ट मिनरल – 4,138 ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 36.55 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 15.09 लाख प्रति वर्ष ।
3. खदान क्षेत्र के अंदर दक्षिण पूर्वी दिशा मे जिस तरफ आबादी है उस तरफ नॉन माइनिंग क्षेत्र रखते हुये सघन वृक्षारोपण किया जायेगा तथा 04 मीटर ऊँची प्रोटेक्शन वॉल का निर्माण किया जाये ।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 12.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 03 वर्षों में पूर्ण किये जाये :-

Commitment towards public hearing Issue in terms of Physical Target		
SN	Issues	Cost in Rs
1	Deepening of pond at village Chitti	1.00Lakh
2	Construction of toilet for girls and boys at School with water tank at village Chhiti	1.00 Lakh
3	Half yearly free health camp for villagers i.e. Chitti, Kumhra Judwani, Saliya etc	0.50 Lakh
4	Contribution in marriage of poor girls at village Chhiti by providing need base material	3.00Lakhs
5	Plantation distributing at village i.e. Chitti, Kumhra Judwani, Saliya, etc @2000	1.0 Lakhs
6	Contribution of construction of WBM road	3.00Lakhs
7	Provision of infrastructure facility for Library at Govt Higher Secondary School at Village Raura , tehsil Raipur Kalchriyan , Rewa (MP)	2.0 Lakhs

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

8	Fund to Forest Department for Mukundpur Wild Life Sanctuary	2.0 Lakh
Total		12.50 lakh

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 14150 वृक्षों का वृक्षारोपण तथा रख-रखाव दूसरे वर्ष से लीज अवधि तक किया जावेगा :-

Plant Species For Mine Area, Transportation Road And Village Distribution			
Phase	Location	Name of Tree/ shrub/Herbs	No. of Plants
1 <sup>st</sup> year	In barrier zone and Road side within lease area	Chirol, Karanj, Pipal, Khamer, Neem, Sissoo, and other local species	2250
2 <sup>nd</sup> year	Bench area and backfilled area	Chirol, Karanj, Pipal, Mango, Khamer, Neem, Sissoo, and other local species	1750
3 <sup>rd</sup> to CP	Bench area and backfilled area	Karanj Kastar, Siso and other local species	8000
1 <sup>st</sup> year	Along the transport route (1900m) 2.5m distance with 1m height	Arjun, Khamar, Neem, Gular, Kadamb, Sisoo, Karanj, Pipal, and other local species	150
1 <sup>st</sup> year	For village distribution	Neem, Mango, Guava, Imli, Awala, Bel, Munga, Mahua and other local species	2000

3. **Case No 8725/2021M/s Arihant Fertilizer & Chemicals India Ltd, Village - Kanawati, Mhow-Nasirabad Road, Dist. Neemuch, MP Prior Environment Clearance for Expansion of Single Super Phosphate Fertilizer Unit (SSP, GSSP Plant) at Kanawati, Mhow-Nasirabad Road, Dist. Neemuch (MP) [with expansion capacity as SSP from 66,000 TPA to 1,80,000 TPA, ASSP from 66,000 TPA to 1,80,000 TPA], Cat. – 5(a) Chemical fertilizers, Projects. M/s. Creative Enviro Services , Bhopal**

This is a case of Prior Environment Clearance for Expansion of Single Super Phosphate Fertilizer Unit (SSP, GSSP Plant) at Kanawati, Mhow-Nasirabad Road, Dist. Neemuch (MP) Cat. – 5(a) Chemical fertilizers Projects. The proposed expansion is planned at the unutilized land within the existing premises at Kanawati Plant (M.P.)

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

Earlier this case was scheduled for presentation and discussion in the 541<sup>st</sup> meeting dated 20/01/2022 wherein ToR was recommended.

During presentation, PP informed that sulphuric acid manufacturing plant is not proposed for this project. PP further submitted that, vide their application letter no. 21-4/1176/MP/Ind/2021 dated 11.11.2021 applied for GW withdrawal permission. After presentation, committee decided to recommend standard TOR prescribed by MoEF&CC with following additional TOR and as per Annexure-D:

- Compliance of earlier E.C. and CTO conditions from the competent authority i.e. MoEF&CC/MPPCB shall be submitted with EIA report.
- Detailed layout (A-3 size) of various proposed facilities with their capacities and design criteria shall be discussed in the EIA report.
- Details of machinery with specification which shall be used in the expansion project shall be provided in EIA report.
- Details of Liners and flooring for storage of various chemicals as their compatibility shall be submitted with EIA report.
- Proposal for ZLD shall be justified with complete water management for domestic and Industrial effluent in the EIA report.
- Status of GW abstraction permission from CGWB and Copy of application submitted to CGWA for withdrawal of GW shall be submitted with EIA report.
- Approx. 8165 TPD H<sub>2</sub>SO<sub>4</sub> acid is proposed to be procured hence details regarding its procurement, transportation and storage arrangement shall be discussed in EIA report with all safety measures.
- MSDS of all hazardous materials shall be appended with EIA report.
- Comprehensive plantation scheme with proposal for planting evergreen broad leaf plant species & shrubs etc (Kadam, Kigelia Pinnata, Karanj, Putranjiva, Neem etc) to be planted.

PP has submitted the EIA report forwarded through SEIAA on-line which was accepted by SEAC on dated 24.12.2022 and the same was scheduled in the agenda.

The EIA was presented by Env. Consultant Shri Umesh Mishra from M/s. Creative Enviro Services, Bhopal and PP Shri Jaidev Nair, General Manager and Shri Abhay Jain, Owner (on-line) from M/s. Arihant Fertilizer & Chemicals India Limited, Neemuch wherein PP submitted that this plant is in operation since year 2000 prior to EIA notification 2006, hence environment clearance is not applicable for the project. PP also

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

presented CTO compliance report issued by MPPCB vide dated 02.06.2021. Till date 3200 sqm area is covered with 775 plants. About 1.02 ha area i.e. 33 % of total land shall be developed as green belt with 2600 plants at boundaries, road sides, around offices & buildings and stretch of open lands within 02 year time.

Following submission salient features presented by PP:

- Arihant Fertilizer & Chemicals India Ltd (AFCIL) is a leading manufacturer for Single Super Phosphate Fertilizer (SSP) both in Powder & Granulated forms & Zinc Sulphate, Magnesium Sulphate & Phosphate Rich Organic Manure (PROM).
- Since 2000 an unit of Single Super Phosphate (Powder & Granulated), Zinc Sulphate (Hepta hydrate), Zinc Sulphate (Monohydrate) and Magnesium Sulphate 9.6% & Phosphate Rich Organic Manure (PROM) with installed capacity as 66000 MT (PSSP), 66000Mt (GSSP), per annum is in operation. Now it is proposed expand 180000MT (PSSP), 180000 Mt (GSSP).
- There are no sensitive eco systems, water bodies within 10 km radius of proposed site
- It is expected that about 35 personnel (skilled & unskilled) will be directly employed in the proposed plant.
- The plant location falls under industrially backward area.
- Provision of such system which will take care of cross contamination and air pollution hazards.
- Provision of Suitable dust extraction and control systems to arrest dust at generation points.
- Provisions of Cyclone and dust collection filter bag system for arresting fine dust particles in the rock phosphate grinding unit.
- Provision of Four stage venture scrubber, separators, separator scrubber to absorb fluoride bearing off gases from SSP plant.
- Provision of Multi clones and cyclones with dust collection filter bag system to arrest fine particles in the GSSP.
- Provision of interlocking system with Scrubbing pumps with main plant equipment i.e. mixer so that in an event of failure of the scrubbing pump / scrubbing system, the whole plant gets automatically tripped.
- Provision of Use of FO / agro waste as fuel.
- Provision of compliance of Zero liquid discharge system
- The scrubber liquor containing 10-12% hydrofluorosilicic acid ( $H_2SiF_6$ ) generated in scrubber after absorbing the off Gases will be 100% recycled back to mixer along with concentrated Sulphuric acid. Thus, there is no liquid pollution.



## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

- Land- Use of the proposed site & power requirement

Land use Break-Up for Existing & Proposed unit			
Particular	Area in Sq Mt		Area in Ha
	Existing	Proposed	
Built up Area	2450.34	2450.34 (Remain Same)	0.245
Area for Green Belt	3200	10200	1.02
Open Land	25700	18700	1.87
<b>Total area</b>	<b>31350</b>	<b>31350</b>	<b>3.135</b>

PP further submitted that being a SSP unit, potential of water pollution is not envisaged at any level, however storm water drainage system need to be taken care preciously to prevent the flow of silt and other contaminant. The network of storm water drains and wastewater drains inside the plant will be made separate. The storm water drain will have sedimentation pits and oil – water interceptors located at suitable points. Domestic sewage generated from the sanitary blocks shall be disposed in septic tank and soak pit. The domestic wastewater generated from the toilets, washrooms and canteen of the plant shall be disposed in septic tank and soak pit. Committee recommends that no process effluent will be discharged outside the plant premises and unit shall remain ZLD. Sulphuric acid will be required about 3694 MT per month i.e. 123 TPD only which will be sourced from local supplier. It will be transported through dedicated closed tankers and stored in FRP lined tanks with dyke wall. Sulphuric acid production is not envisaged in this proposal. The gases emanating from the reaction pass through the venturi scrubber, cyclone separator and cyclone scrubber before being carried to the chimney with the help of den gas exhaust blower. In the venturi scrubber and separator, the scrubber liquor is sprayed from the nozzles over the gases to remove fluoride compound and suspended / water soluble material. The  $H_2SiF_6$  liquor is re-circulated with the help of re-circulation pump till the concentration of hydrofluorosilicic acid reaches 10-12% and it is used for acidulation of rock phosphate along with Sulphuric acid into mixer. The scrubbing ensures that the effluent gases emitted from the plant are well within the permissible limits. Scrubbing pumps are interlocked with main plant equipment that is mixer, in case of failure of the scrubbing pump; the whole plant gets automatically tripped. SSP from the packing hopper is packed in bags, which are weighed on weighing scale and subsequently stitched on stitching machine provided with the slat conveyor. Cyclone and Dust Collection Filter Bag assembly will be installed to arrest the fine dust particles from the air before venting to atmosphere Stack. The clean air emissions would be well within the permissible limits as per MPPCB Norms. Hydrogen Fluoride gas generated from the process of SSP will be conveyed in rubber ducts to the scrubbers. A setting chamber along with two stage water spray scrubbers and three stage ventury scrubbers will be provided to obtain the desired level of Hydrogen Fluoride. The process gas reacts with

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

silica present in the rock phosphate which generates  $\text{SiF}_4$  when scrubbed with water to form liquid Hydro Fluoro Silicic acid and sold as a by-product. Then the traces of FM coming from ventury scrubber will be scrubbed with caustic lye solution in Alkali scrubber. This scrubber liquor will be re-circulated within the scrubber upto P.H 7 and finally utilized in the manufacturing process. No wastewater will be discharged outside from the proposed facility. No solid waste will be generated from the process. Dust collected from air pollution control equipment will be totally recycled back to the process. It has been estimated that about 3500 liters of lube oils will be used annually in the facility and the same will be stored in drums and disposed to authorized used oils recycling vendors.

After deliberations and presentation, submissions made by the PP were found to be satisfactory and acceptable hence the case is recommended for grant of Prior Environment Clearance for Expansion of Single Super Phosphate Fertilizer Unit (SSP, GSSP Plant) at Kanawati, Mhow-Nasirabad Road, Dist. Neemuch (MP) [with expansion capacity as SSP from 66,000 TPA to 1,80,000 TPA, ASSP from 66,000 TPA to 1,80,000 TPA], Cat. – 5(a), subject to the following special conditions:

1. All tailing collection ponds shall have HDPE lining with appropriate peizometerc holes & leachate collection arrangements. All the components of this system should be well within approach for smooth monitoring.
2. Alkali scrubbing shall be carried out for scrubbing the fluorine.
3. Continuous Emission Monitoring System shall be installed with inter-locking system such that in case of any failure when emissions are beyond the thresh-hold limits the complete operation of the plant trips down automatically.
4. 'Zero liquid discharge' condition shall be maintained and no process effluent will be discharged outside the plant premises.
5. Cyclone and Dust Collection Filter Bag assembly shall be installed to arrest the fine dust particles from the air before venting to atmosphere through Stack of suitable height as per stipulated norms. The air emissions shall be well within the permissible limits as per MPPCB Norms.
6. The Gases resulting from reaction of rock phosphate and Sulphuric acid shall be sucked from Den / Mixer and Scrubbed with water in 4 Stages Venturi Scrubber, Separators / Separator Scrubbers to absorb fluoride bearing gases in the scrubbers. The air shall be vented to atmosphere through Stack of suitable height (minimum 50 meters) as per stipulated norms. The emissions shall be well within the permissible limits as per MPPCB Norms.
7. The hot air from dryer drum and atmospheric air from Cooler drum shall be sucked and passed through Multi Clones and Cyclones to arrest the fine dust particles before venting to atmosphere through Stack of suitable height (minimum 30

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

- meters) as per stipulated norms. The air emissions shall be well within the permissible limits as per MPPCB Norms.
8. At mixer and Den, during acidulation gases will be liberated. These gases from mixer and Den will be passed through absorption stages i.e. Ejector, Cyclone separator, Ventury Scrubber, Multi Stage Scrubbing Towers.
  9. Biomass/Coal shall be used as fuel in the HAG. The unit shall be provided with two stage cyclone separator followed by 3 stages ventury to achieve the desired norms and scrubbed liquid will be used in the process. In the SSP plant, dust collector and cyclone shall be provided for removal of particulate matter from grinding of rock phosphate. Dust separated from the cyclone separator and as well as from the dust collector shall be reused in process.
  10. Hydrogen Fluoride gas generated from the process of SSP shall be conveyed in rubber ducts to the scrubbers. A setting chamber along with two stage water spray scrubbers and three stage ventury scrubbers shall be provided to obtain the desired level of Hydrogen Fluoride.
  11. The traces of Fluro Silicic coming from ventury scrubber shall be scrubbed with caustic lye solution in Alkali scrubber and this scrubber liquor shall be re-circulated within the scrubber upto P.H 7 and utilized in the manufacturing process.
  12. Ash collection system shall be provided to control PM emission. Furnace Ash shall be used as filler in SSP plant.
  13. The rock phosphate shall be transported under cover truck only.
  14. The SSP process happens under shed and powder SSP shall be moist conditions. As such all products remains confine to shed area only. All precaution and provision are made for arresting the dust particle during crushing of rock and handling of SSP shall include covered conveyer system with dust collection system at transfer points and Water spraying shall be done for dust suppression in dust generating areas/ roads. Provisions for dust extraction systems at dust generating source shall be provided.
  15. Online emission monitors shall be provided for all stacks.
  16. All the unpaved roads as well as paved roads, which are exposed to high dust concentrations within plant, will be sprinkled with water and road sweeping machines shall be deployed.
  17. Storage area shall be clearly earmarked and enclosure shall be provided for all the loading & unloading operations. Conveyors shall be provided with conveyor cover.
  18. Total 2600 trees shall be planted in the area of 8290.0 m<sup>3</sup> (10.03% of total plot area) which is developed as greenbelt development, out of 2600 nos. of plants 1825 are proposed for plantation whereas 775 are existing plantation .

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

<b>Proposed plantation</b>			
<b>Phase</b>	<b>Name of Tree/ shrub/Herbs</b>	<b>No. of Plants</b>	<b>Location</b>
1	Satparni, Neem, Karanj, Champa, Mango, Khamer Putran Jeeva, Moleshree, Amaltash, Arjun, Achar, Ficus, Satparni, Sita Ashoka Tree , Mehendi, Rat Rani, Kachnar etc. and other local species	1825	within and around Plant Site

19. For Environment Management Plan PP has proposed Rs. 102.30 Lakhs as capital and Rs. 13.45 Lakhs as recurring cost for this project.
20. For this project PP has proposed Rs 16.0 Lakhs as Corporate Environment Responsibility (CER) as per following proposed activities:

<b>Need Based CER activities along with Budgetary Allocation and it's Implementation Schedule</b>			
<b>S. N.</b>	<b>Need Identified For CER Plan</b>	<b>Activities</b>	<b>Budgetary Provision In Lacs (Capital)</b>
1	Skill Training Programme	Skill Training to 50 youth for having future employment opportunity in coordination with ITI ( 50 X Rs 1000 X 12 )	Rs. 6 Lac
2	Distribution plant	Distribution of 1500 plant at village with species of Amarud, Neembu, Aam, Munga, Achar, Sitafal and packets of seeds of vegetable ( 100 no.)	Rs 1.0 Lacs
3	Providing infrastructure support to the Village	Two rooms with benches, table, and other facilities One kitchen room with platform, 2 Toilet at Govt. Primary School, with facility of water through bore well at School.	Rs 5 Lacs
4	Adaptation of Anganwadi	Adaptation of Anganwadi for 1 yr for supply of food and milk at village	Rs 2 Lacs
5	Provision of drinking water facility	Provision of hand pump and bore well facility at Village Duganwadi	Rs 1 Lacs
6	Conduction of study for social cause	Study on affect of unit wrt replacement of DAP in 03 nearby villages	Rs 1 Lacs
		<b>Total</b>	<b>Rs 16 Lacs</b>

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

**4. Case No 9209/2022 M/s Jailal Bharatlal, Kumhra Judwani Bauxite, Ochre & White Earth Mine, 26/52, Alfratganj, Madhai ka Bagicha, BD Agarwal Ward Katno, MP - 485221 Prior Environment Clearance for Bauxite, Ochre & White Earth Mine in an area of 10.73 ha. (Bauxite - 29627 Tonne per annum, Mineral Reject - 7406 Tonne per annum, OB - 1389 Tonne per annum) (Khasra No. 43(P)), Village - Kumhra Judwani, Tehsil - Semaria, Dist. Rewa (MP) M/s. Creative Enviro Services, Bhopal**

This is case of Bauxite, Ochre & White Earth Mine. The application was forwarded by Online SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 43(P)), Village - Kumhra Judwani, Tehsil - Semaria, Dist. Rewa (MP) 10.73 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 579वीं दिनांक 17/06/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक की ओर से उनके अधिकृत प्रतिनिधि श्री श्री एन. पी. मिश्रा और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री उमेश मिश्रा, मेसर्स किएटिव इंवायरो सर्विसेस, भोपाल उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान 50 वर्ष हेतु 08/11/1982 से 07/11/2032 तक के लिए स्वीकृत है जिसमें 1992 तक खनन कार्य किया गया है तदुपरांत खनन कार्य बंद है।

परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन क्षेत्र उत्तर-पूर्व दिशा में 20 मीटर पर आबादी / बसाहट है, जिस तरफ आबादी है उस तरफ खनन कार्य करने की कोई योजना नहीं है तथा उस तरफ 50 मीटर का सेटबैक एवं सघन वृक्षारोपण किया जाना प्रस्तावित है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में धूल के कारण क्षति नहीं होगी एवं खनन के दौरान ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा खनन कार्य सरफेस से 03 मीटर की गहराई तक किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया गया कि खदान क्षेत्र के भीतर कुल 06 पेड़ लगे हुये हैं (महुआ -2, नीम-3 एवं सेझा-1) जिनमें से कोई भी पेड़ को काटा जाना प्रस्तावित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने आगे बताया कि लीज एरिया के परिवहन मार्ग में अभी तक 341 पौधों का रोपण किया जा चुका है। जिस तरफ आबादी है उस तरफ खनन कार्य करने की कोई योजना नहीं है तथा यह नॉन माइनिंग क्षेत्र के रूप में प्रस्तावित है एवं इस ओर वृक्षारोपण किया जाना भी प्रस्तावित है। साथ ही जिससे आसपास के क्षेत्रों में धूल के कारण क्षति नहीं होगी एवं इसके अलावा खदान में छेदन एवं विस्फोटन का कार्य भी नहीं किया जाएगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया गया कि लीज क्षेत्र के पूर्वी भाग से जो कच्चा रास्ता निकल रहा है उसके संरक्षण हेतु मार्ग के दोनों ओर 45मी -45मी की दूरी (एम.एम.आर.1961 के अनुसार) छोड़कर कार्य किया जाएगा एवं मार्ग के दोनों तरफ वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके अलावा खदान में छेदन एवं विस्फोटन का कार्य भी नहीं किया जाएगा

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

परियोजना प्रस्तावक ने प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया कि इस आवंटित खनन् क्षेत्र के पास 02 अन्य खदानें मेसर्स राकेश एजेन्सीज के नाम से आवंटित है तथा इन तीनों खनन् क्षेत्र से होकर यह कच्चा रास्ता निकल रहा है, जिस कारण इस रास्ते का 900 मीटर डायवर्सन किया जाना प्रस्तावित है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा खैर माता मंदिर का जीर्णोद्धार, रोजगार, वृक्षारोपण, सडक की मरम्मत व शिक्षा संबंधी कार्य, तलैया का रखरखाव व गहरीकरण में सहयोग, गांव में पेयजल की व्यवस्था, सीवेज की नाली का निर्माण, कन्या विवाह एवं स्वास्थ्य शिविर इत्यादि कार्य किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा ई.एम. पी. एवं सी.ई.आर. में शामिल किया गया है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा लगभग 12500 वृक्ष लगाने का प्रस्ताव दिया गया है । इसी प्रकार खदान का पानी खेतों में न जाये इस हेतु खदान के चारो ओर गारलेण्ड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक का प्रस्ताव दिया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता बाक्साइट – 29627 टन प्रति वर्ष एवं रिजेक्ट मिनरल – 7406 टन प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 32.25 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 16.78 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 19.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

Commitment towards public hearing Issue in terms of Physical Target		
SN	Issues	Recurring Cost
1	Construction & Deepening of pond at village Kumhra Judwani	2.00lakh
2	Construction of toilet for girls and boys at School with water tank at village Kumhra Judwani and Chiiti	1.00 lakh
3	Half yearly free health camp for villagers i.e. Chitti, Kumhra Judwani, Saliya etc	0.50 lakh
4	To provide two handpump at village Kumhra Judwani for drinking water facility	3.00lakhs
5	Plantation distributing at village i.e. Kumhra Judwani, @2000	1.0 lakhs
6	Contribution of construction of WBM road	5.00Lakhs
7	Reconstruction of Khairmata Temple	2.00 lakh
8	Development of play ground after providing of land by Gram Panchayat	2.00lakh
9	Provision of Books for Library at Govt Higher Secondary School at Village Raura , tehsil Raipur Kalchriyan , Rewa (MP)	3.0 Lakh
Total		19.50 akh

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 12500 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

Phase	Location	Name of Tree	No.
1 <sup>st</sup> year	In barrier zone and Road side within lease area	Chirol, Karanj, Pipal, Khamer, Sitafal, Neem, Sissoo, and other local species	2000
2 <sup>nd</sup> year	In barrier zone and Road side within lease area	Chirol, Jamun, Karanj, Pipal, Mango, Khamer, Neem, Sissoo, and other local species	2000
3 <sup>rd</sup> to CP	Bench area and backfilled area	Karanj Kastar, Siso and other local species	6500
1 <sup>st</sup> year	For village distribution	Neem, Mango, Guava, Imli, Awala, Bel, Munga, Mahua and other local species	2000

5. **Case No. - 5809/2018 M/s Arpan Enterprises, Shri Vishwas Panwar, Proprietor, 100, Vikas Nagar, Scheme No. 14/4, Dist. Neemuch, MP Prior Environment Clearance for Laterite Quarry in an area of 24.093 Ha. (Laterite – 51,832 ton per annum, Salable waste material as Murrum - 5000 cum) (Khasra No. 2214/3 (part) at Village- Kasba Agar, Tehsil - Agar, Dist. Agar Malwa (MP).**

This is case of Prior Environment Clearance for Laterite Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed area of 24.093 Ha. (Laterite - 51832 ton per annum, salable waste material as Murrum - 5000 cum) (Khasra No. 2214/3 (part)) at Village- Kasba Agar, Tehsil - Agar, Dist. Agar Malwa (MP). The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 342वीं दिनांक 18/02/2019 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी। राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक की ओर से उनके अधिकृत प्रतिनिधि श्री बंसत जाधव और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री उमेश मिश्रा, मेसर्स क्वाटिव इंवायरो सर्विसेस, भोपाल उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान अनुमोदित माइन प्लॉन में उल्लेखित अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खनन क्षेत्र के पास उत्तर दिशा में 550 मीटर पर एक जल निकाय क्षेत्र है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस जल निकाय – मोती सागर तालाब में प्रदूषण रोकने के लिये रिटेनिंग वॉल तथा गारलेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित है जिसका उर्पयुक्त बजट ई.एम.पी. में दर्शाया गया है। इसी प्रकार लीज क्षेत्र के स्थित सरफेस ड्रेन को टोपोग्राफी दृष्टिगत रखते

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

हुये गारलेण्ड एवं सेटलिंग टैंक के माध्यम से चेनलाईज किया जाना प्रस्तावित है । आवंटित खनन् क्षेत्र के पश्चिम एवं दक्षिण दिशा में क्रमशः 30 मीटर एवं 170 मीटर पर पक्का रोड़ है तथा 120 मी. दक्षिण दिशा में आबादी / बसाहट है। इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन् के दौरान ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा पश्चिम दिशा में रोड़ के कारण 20 मी. का सेटबैक भी प्रस्तावित किया गया है। दक्षिण दिशा में जो आबादी/बसाहट दिख रही है वह ईट भट्टों में कार्यरत श्रमिकों के आवास है तथा खनन् क्षेत्र से लगभग 120 मीटर की दूरी पर हैं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा गौचर जमीन प्रभावित होना, माधव गौशाला की चारागाह भूमि समाप्त होना, पशु संवर्धन केन्द्र पास होना, मोती सागर तालाब में प्रदूषण, ग्रामपुरा साहिब नगर समीप स्थित होना इत्यादि आपत्तियाँ प्राप्त हुए थी, जिनके संदर्भ में उनके द्वारा ई.एम.पी. एवं सी.ई.आर. में प्रस्तावों को शामिल किया गया है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन् क्षेत्र के उत्तर दिशा में करीब 04.00 हे. तथा पश्चिम दिशा में करीब 30.00 हे. शासकीय भूमि उपलब्ध है, जिस पर सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर लगभग 05.00 हे. क्षेत्र में चारागाह विकास का कार्य पशु पालन विभाग के माध्यम से कराया जायेगा । इसी प्रकार खनन् क्षेत्र के पास स्थित गौशाला, स्कूल एवं मंदिर के विकास एवं संधारण हेतु पृथक से वजट का प्रावधान सी.ई.आर. में किया गया हैं । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता लेटराईट – 51832 टन प्रति वर्ष एवं मुरुम – 5000 टन प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 45.28 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 21.19 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 07.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

Commitment towards public hearing Issue in terms of Physical Target		
SN	Issues	Cost in Rs Lakhs
1	Protection through construction of retaining wall of Motisagar pond	0.50
2	Infrastructure support to Purasaheb School	1.00
3	Support to Old age Homes at Agar Malawa	0.50
4	Support to renovation of Temple	0.50
5	Fodder plot development	1.00
6	Support to Goshala at Agar Malawa	1.50
7	Fodder Development over 5 hact area in consultation with Veterinary department inclusive of of fencing and security arrangement for 5 years	3.0
Total		7.30



**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 28,500 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

Phase	Name of Tree/ shrub/Herbs	No. of Plants	Location	Remark
1 <sup>st</sup> and 2 <sup>nd</sup> year	Neem, White Kastar, Babul, Chirol, Khamar and other local species etc. Row To Row Distance : 2.5 mtr Plant To Plant Distance 3 mtrs	3000	Along with barrier zone having area of 1.50ha	Inside Fencing (Trench of 45 cm will be provided with channelling facility
Along with mining operation	Agave Americana Slips, Khas Slips, Neem, Chirol and other local species etc.	1000	Along the garland drain ( 3 no)	Over heap and along the drain. Drain will be inside the lease area which will be fenced
Along with Mining Operation	Karanj, Jangal Jalebi, White Kastar, Neem, Chirol, Katang Bans, Khamar, and other local species etc.	22000	Over backfilled area	Within lease area which will be fenced
1 <sup>st</sup> and 2 <sup>nd</sup> year	Karanj, Munga, Neeem, Chirol, Sitafal, Jamun and other local species etc.	2000	village distribution	
1 <sup>st</sup> year	Anjan, Siras	500	Gaushala	
<b>Total</b>		<b>28500</b>		

6. **Case No 9526/2022 Shri S.P. Tiweri, Director, SNS Minerals Private Limited, 5C, Alipore Park Road, Kolkata, West Bengal-700027, Prior Environment Clearance for Bhatia Limestone Mine in an area of 5.122 ha. (Limestone-106449 TPA, OB/Soil-42193 and Waste-21290 TPA Cum per annum) (Khasra No. 922, 1082, 1083, 1084, 1086, 1087 & 1088), Village-Bathiya, Tehsil-Maihar, District-Satna (MP)**

This is case of Limestone Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 922, 1082, 1083, 1084, 1086, 1087 & 1088), Village-Bathiya, Tehsil-Maihar, District-Satna (MP) 5.122 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

आज दिनांक 23/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री एस.पी. तिवारी (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री उमेश मिश्रा, मेसर्स किएटिव इंवायरो सर्विसेस, भोपाल उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि खदान प्रमुख खनिज की है, जिसका कुल रकबा 05.122 हे. है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर पूर्वी दिशा में 240 मी. पर एक नहर निकल रही है। अतः इसकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः समिति की अनुशंसा है कि सिया के द्वारा यह परीक्षण कराया लिया जाये कि इस क्षेत्र में कार्यरत खदानों द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में निहित शर्तों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं तथा वे पर्यावरणीय अभिस्वीकृति का निमयानुसार छःमाही पालन प्रतिवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर रहे है अथवा नहीं। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर पूर्वी दिशा में 240 मी. पर एक नहर निकल रही है। अतः इसकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये।
2. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
3. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें।
4. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉपट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
5. ओव्हर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
6. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
7. परियोजना प्रस्तावक अपनी वेबसाइट बनाये, जिसमें ई.सी. प्राप्ति के पश्चात् पर्यावरणीय प्रबंधन योजना तथा वृक्षारोपण इत्यादि के संदर्भ में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन उसमें अपलोड करेगा। परियोजना प्रस्तावक वेबसाइट बनाये जाने संबंधी जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट साथ प्रस्तुत करें।

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

**7. Case No 9525/2022 Shri Abhishek Gupta, R/o 95, Hiran Magri, Sector-11, Udaipur, Rajasthan-313001, Prior Environment Clearance for Bargadi Stone & M-Sand Quarry (Temporary Permit) in an area of 4.00 ha. (Stone-250000 & Sand-25000 Cum per annum) (Khasra No. 636), Village-Bargadi, Tehsil-Barod, District-Agar-Malwa (MP)**

This is case of Stone & M-Sand Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 636), Village-Bargadi, Tehsil-Barod, District-Agar-Malwa (MP) 4.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री अभिषेक गुप्ता (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री शिशुपाल वर्मा, मेसर्स ग्रीन सर्कल आई.एन.सी., वडोदरा (गुजराज) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2082 दिनांक 25/08/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 7.45 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर दिशा में एक पक्की सड़क 500 मीटर पर, एक कच्ची रोड — 375 मी. पर, 375 मी. उत्तर पश्चिम दिशा में एक शेड़ तथा दक्षिण दिशा में 02 जल रोकने की संरचना क्रमशः 200 तथा 150 मी. पर, एक जल रोकने की संरचना उत्तर दिशा में 120 मी. की दूरी पर स्थित है। अतः इसकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये। परियोजना में एम-सेंड प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, अतः ई.आई.ए. रिपोर्ट में एम-सेंड प्लांट हेतु प्रस्तावित जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाओं का उल्लेख किया जाये। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला आगर मालवा के पत्र क्रमांक 2441 दिनांक 09/12/22 के द्वारा सूचित किया गया है कि वर्तमान में जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित हो चुकी है। उक्त प्रकरण में सैद्धांतिक मंजूरी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित होने के पश्चात् जारी हुई है, जिससे की उक्त अस्थाई खनन अनुज्ञा को डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है। उक्त प्रकरण में संपूर्ण औपचारिकतायें पूर्ण होने के उपरांत उक्त अस्थाई खनन अनुज्ञा को आगामी डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट (DSR) में सम्मिलित कर लिया जायेगा। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर दिशा में एक पक्की सड़क 500 मीटर पर, एक कच्ची रोड — 375 मी. पर, 375 मी. उत्तर पश्चिम दिशा में एक शेड़ तथा दक्षिण दिशा में 02 जल रोकने की संरचना क्रमशः 200 तथा 150 मी. पर, एक जल रोकने की संरचना उत्तर दिशा में 120 मी. की दूरी पर स्थित है। अतः इसकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये।

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

2. परियोजना में एम-सेंड प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, अतः ई.आई.ए. रिपोर्ट में एम-सेंड प्लांट हेतु प्रस्तावित जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाओं का उल्लेख किया जाये ।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजिकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
6. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
7. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
8. ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो प्रस्तुत करें ।
9. परियोजना प्रस्तावक अपनी वेबसाइट बनाये, जिसमें ई.सी. प्राप्ति के पश्चात् पर्यावरणीय प्रबंधन योजना तथा वृक्षारोपण इत्यादि के संदर्भ में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन उसमें अपलोड करेगा। परियोजना प्रस्तावक वेबसाइट बनाये जाने संबंधी जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट साथ प्रस्तुत करें ।

**8. Case No 9527/2022 Shri Sanjay Jain S/o Late Shri Ugrasen Jain, Partner, Om Sai Stone Pvt. Limited, C-505, Mix Tower, D.B. City, Gwalior (MP), Prior Environment Clearance for Biloua Stone (Gitti) Quarry an area of 1.150 ha. (30000 Cum per annum) (Khasra No. 2678, 2673/1, 2674/2, 2677/2), Village-Biloua, Tehsil-Dabra, District-Gwalior (MP)**

This is case of Stone (Gitti) Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2678, 2673/1, 2674/2, 2677/2), Village-Biloua, Tehsil-Dabra, District-Gwalior (MP) 1.150 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री संजय जैन (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स एपेक्स माइनेटेक, उदयपुर (राज.) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 12161 दिनांक 02/12/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 06 अन्य खदान

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 05.00 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के पश्चिम दिशा में एक कच्ची सड़क 105 मीटर पर तथा पूर्व दिशा में 130 मीटर पर तथा आबादी उत्तर दिशा में 200 मीटर पर है, अतः इसकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये। आवंटित खनन क्षेत्र बिलौआ कलस्टर में स्थित है, जहाँ पर पूर्व से खनन गतिविधियाँ संचालित हैं, अतः परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट में यह अध्ययन कर बतायेंगे कि इस कलस्टर में किन-किन गाँव के लोग आते हैं, उनकी परकैपिटा इनकम क्या है तथा खनन गतिविधियों से उनके आर्थिक स्तर पर क्या प्रभाव पड़ा है तथा ई.आई.ए. में समस्त खदानों की क्यूमिलेटिव स्टडी (खनिज परिवहन को शामिल करते हुए) की जाये। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र में पूर्व से पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः समिति की अनुशंसा है कि सिया के द्वारा यह परीक्षण कराया लिया जाये कि इस क्षेत्र में कार्यरत खदानों द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में निहित शर्तों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं तथा वे पर्यावरणीय अभिस्वीकृति का निमयानुसार छःमाही पालन प्रतिवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर रहे हैं अथवा नहीं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 12161 दिनांक 02/12/2022 में उल्लेखित है कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित की जावेगी। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान के पश्चिम दिशा में एक कच्ची सड़क 105 मीटर पर तथा पूर्व दिशा में 130 मीटर पर तथा आबादी उत्तर दिशा में 200 मीटर पर है, अतः इसकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. में प्रस्तुत की जाये।
2. आवंटित खनन क्षेत्र बिलौआ कलस्टर में स्थित है, जहाँ पर पूर्व से खनन गतिविधियाँ संचालित हैं, अतः परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट में यह अध्ययन कर बतायेंगे कि इस कलस्टर में किन-किन गाँव के लोग आते हैं, उनकी परकैपिटा इनकम क्या है तथा खनन गतिविधियों से उनके आर्थिक स्तर पर क्या प्रभाव पड़ा है।
3. ई.आई.ए. में समस्त खदानों की क्यूमिलेटिव स्टडी (खनिज परिवहन को शामिल करते हुए) की जाये।
4. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
5. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजिकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें।

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

6. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
7. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
8. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
9. परियोजना प्रस्तावक अपनी वेबसाइट बनाये, जिसमें ई.सी. प्राप्ति के पश्चात् पर्यावरणीय प्रबंधन योजना तथा वृक्षारोपण इत्यादि के संदर्भ में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन उसमें अपलोड करेगा। परियोजना प्रस्तावक वेबसाइट बनाये जाने संबंधी जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट साथ प्रस्तुत करें ।

9. **Case No 9529/2022 Shri Ram Sahu, Bansod Colony, Pandhurna, Chhindwara (MP), Prior Environment Clearance for Hiwarasanadwar Murrum Quarry an area of 3.00 ha. (12246 Cum per annum) (Khasra No. 60/1 (P)), Village– Hiwarasanadwar, Tehsil-Pandhurna, District-Chhindwara (MP).**

This is case of Murrum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 60/1 (P)), Village– Hiwarasanadwar, Tehsil-Pandhurna, District-Chhindwara (MP) 3.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राम साहू (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री जी.के. मिश्रा, अमलतास इंचायरो, गुरुग्राम, हरियाणा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 1275 दिनांक 28/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार कुल रकबा 4.813 हे० होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि प्रश्नाधीन खदान मुरुम की है अतः इसमें खनन के दौरान ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के दक्षिण दिशा में एक कच्चा रोड 10 मी. पर, पश्चिम दिशा में 110 मीटर पर तथा मौसमी नाला 85 मी. पर एवं दक्षिण दिशा में ही 310 मीटर की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित है। कच्चे रोड के संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह उनकी खदान तक तथा आगे स्थित 02 अन्य खदानों का पहुँच मार्ग है, जिसका उल्लेख एकल प्रमाण पत्र में भी किया गया है चूँकि एम.एम.आर. 1996 अनुसार 10 मीटर का प्रतिबंध है, उसी को ध्यान में रखकर खनन क्षेत्र स्वीकृत किया गया है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छिंदवाड़ा के पत्र क्रमांक 1293 दिनांक 30/09/22 के द्वारा सूचित किया गया है कि जिला छिंदवाड़ा अंतर्गत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट 2021-22 में बनी है। उक्त प्रकरण में संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त खदान को सम्मिलित

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

कर लिया जायेगा । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मरुम – 12,246 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 8.39 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 3.36 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि(रु.में )
सामुदायिक स्वस्थ केंद्र पांडुर्ना में 1 व्हील चेयर और 1 मेडिकल बेड की व्यवस्था	50,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, खमेर, सिरस, चिरोल, करंज, बबूल, कचनार, सीताफल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	700
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	खमेर, चिरोल, अचार. करंज, जंगल जलेबी, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	800
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु (ग्राम पंचायत हिमरासनद्वारा)	नीम, आम, कटहल, बेर, आँवला, हर्रा, मुनगा, सीताफल, महुआ, नींबू, अचार, बहेरा, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1800
4	ग्राम पंचायत हिमरासनद्वारा के प्राथमिक शाला, आंगनवाड़ी एवं ग्राम पंचायत परिसर में	नीम, खमेर, मोलश्री, सप्तपर्णी, आँवला, पुत्रंजीवा एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	300
कुल			3600

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

**10. Case No 9531/2022 M/s Bansal Construction Works Private Limited, 3rd Floor, Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony, District-Bhopal (MP), Prior Environment Clearance for Chhapri Crusher Murrum Deposit an area of 4.00 ha. (1,32,122 Cum per annum) (Khasra No. 1/1), Village- Chhapri, Tehsil-Banda, District-Sagar (MP)**

This is case of Crusher Murrum Deposit. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1/1), Village- Chhapri, Tehsil-Banda, District-Sagar (MP) 4.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राम साहू (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री जी.के. मिश्रा, अमलतास इंचायरो, गुरुग्राम, हरियाणा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) का एकल पत्र क्रमांक 1913 दिनांक 03/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि प्रश्नाधीन खदान मुरुम की है तथा अस्थायी अनुज्ञा (Temporary Permit) की श्रेणी में स्वीकृत है अतः इसमें खनन के दौरान ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसंधान खदान के दक्षिण दिशा में एक कच्चा रोड 45 मी. पर स्थित है तथा दक्षिण दिशा में 50 मी. की दूरी पर आबादी/बसाहट है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 50 मीटर का सेटबैक गैर खनन क्षेत्र में प्रस्तावित किया गया है। अतः खनन हेतु कुल 2.40 क्षेत्र उपलब्ध होगा तथा खदान का कुछ भाग खुदा हुआ है, इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनको यह लीज माह- अगस्त 2022 में स्वीकृत हुई है तथा उसके पहले ग्रामीणों द्वारा ऊपर से मुरुम/मिट्टी उनके कार्य हेतु निकाली गई है तथा खुदे हुये भाग को सरफेस मैप में दिखाया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि अनुमोदित खनन योजना अनुसार खनन हेतु स्वीकृत मात्रा प्रथम वर्ष हेतु 2,03,730 घनमीटर तथा द्वितीय वर्ष हेतु 2,32,122 घनमीटर है किंतु फार्म-1 में आवेदन 1,32,322 घनमीटर प्रति वर्ष हेतु किया गया है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि त्रुटिवश आवेदन 1,32,322 घनमीटर प्रति वर्ष के लिए हो गया है जबकि प्रस्तुतीकरण एवं अन्य दस्तावेजों में मात्रा 2,32,122 घनमीटर/वर्ष है। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति का सुझाव था कि चूंकि खनन हेतु अस्थाई अनुज्ञा स्वीकृत की गई है, अतः 02 वर्ष पश्चात् किए गए वृक्षारोपण का संधारण कौन करेगा। अतः परियोजना प्रस्तावक यह शपथ-पत्र प्रस्तुत करें कि 02 वर्ष पश्चात् किए गए वृक्षारोपण की देख-रेख हेतु आवश्यक राशि ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराई जायेगी ताकि वे किए गए वृक्षारोपण की देख-रेख कर सकें। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति ने परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी जमा करने हेतु कहा:-



**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार खनन हेतु स्वीकृत मात्रा प्रथम वर्ष हेतु 2,03,730 घनमीटर तथा द्वितीय वर्ष हेतु 2,32,122 घनमीटर है किंतु फार्म-1 में आवेदन 1,32,322 घनमीटर प्रति वर्ष हेतु किया गया है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक स्थिति स्पष्ट करें ।
2. परियोजना प्रस्तावक का शपथ-पत्र प्रस्तुत कि 02 वर्ष पश्चात् किए गए वृक्षारोपण की देख-रेख हेतु आवश्यक राशि ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराई जायेगी ताकि वे किए गए वृक्षारोपण की देख-रेख कर सकें ।
3. पुनरिक्षित वृक्षारोपण एवं पर्यावरण प्रबंधन योजना जिसमें पौधों के संधारण संबंधी बजट को ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान हो ।

**11. Case No 9530/2022 Shri Krishna Kumar Rathi, Lessee, Sheikh Chisti, Dibal, District-Bulandshahar (UP), Prior Environment Clearance for Dhawabangra Crusher Stone Quarry an area of 3.00 ha. (18981 Cum per annum) (Khasra No. 935), Village-Dhawabangra, Tehsil-Niwadi, District-Niwadi (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 935), Village- Dhawabangra, Tehsil-Niwadi, District-Niwadi (MP) 3.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री कृष्ण कुमार राठी (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम विशाल शुक्ला, ए सिरीज इंवाराटेक, नोएडा (उ.प्र.) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 220 दिनांक 30/06/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माईन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के दक्षिण पूर्व दिशा में एक कच्चा रोड 150 मी. पर एवं पश्चिम दिशा में 70 मी. की दूरी स्थित है, तथा उत्तर दिशा में 30 मी. की दूरी पर एक मौसमी नाला स्थित है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन क्षेत्र में पेड़ लगे होने के कारण उस क्षेत्र को प्रस्तुतीकरण में नॉन माईनिंग क्षेत्र छोड़ा गया है, जिसके कारण नाला वास्तविक खनन क्षेत्र से दूरी 50 मीटर से अधिक होती है तथा खनन हेतु कुल 01.25 हेक्टेयर क्षेत्र उपलब्ध होगा । मौसमी नाले के संरक्षण हेतु गारलैंड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक भी प्रस्तावित किये गये हैं। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि आवंटित खनन क्षेत्र के पहाड़ी भाग में वृक्ष लगे हैं, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह पेड़ लेन्टाना की झाड़ियां हैं तथा कुछ अंजन के पेड़ हैं, जिस कारण यह क्षेत्र नॉन माईनिंग के रूप में संरक्षित प्रस्तुतीकरण में प्रस्तावित किया गया है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं. -46 के सरल क्रमांक-13 पर दर्ज है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 18,981 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 19.90 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.98 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि(रु.में )
शासकीय माध्यमिक विद्यालय में 1 कम्प्यूटर, प्रिन्टर , प्रिन्टर टेबल के साथ	60,000

1. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3700 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
1	बैरियर जोन में	सिस्सू, चिरोल, नीम, महुआ, करंज, खमेर, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	कदम्ब, कचनार, चिरोल, नीम, पीपल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	400
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आवंला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1000
4	शासकीय विद्यालय की बाउंड्री वॉल की तरफ एवं ग्राम पंचायत भवन	कदम्ब, कचनार, चिरोल, नीम, पीपल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	300
5	नॉन माइनिंग जोन	अंजन, चिरोल, नीम, पीपल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000
कुल			3700

**12. Case No 9532/2022 Mrs Bandna Jadoun W/o Shri Shishupal Singh Jadoun, Kanshana Bali Gali, Vankhandi Road, Morena, Tehsil & District-Morena (MP), Prior Environment Clearance for Bamsouli Soil Quarry in an area of 1.00 ha. (3510 Cum per annum) (Khasra No. 3554, 3555, 3563), Village– Bamsouli, Tehsil-Sabalgarh, District-Morena (MP)**

This is case of Soil Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 3554, 3555, 3563), Village– Bamsouli, Tehsil-Sabalgarh, District-Morena (MP) 1.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

आज दिनांक 02/01/23 को परियोजना प्रस्तावक सुश्री वंदना जदौन (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार, मे0. कागनीजेंस, नोएडा (उ.प्र.) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के एकल पत्र क्रमांक 1039 दिनांक 28/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि प्रश्नाधीन खदान मिट्टी की है अतः इसमें खनन के दौरान ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। माइन प्लान के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर दिशा में एक पक्का रोड 05 मी. पर है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 95 मी. का सेटबैक प्रस्तुतीकरण में प्रस्तावित है। प्रस्तुतीकरण में पाया गया कि आवंटित खनन क्षेत्र के पूर्व दिशा में 240 मी. पर एवं दक्षिण पश्चिम दिशा में 340 मीटर की दूरी पर आबादी है एवं एक एच.टी. लाईन पश्चिम दिशा में 95 मी. की दूरी पर गुजर रही है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि लीज एरिया के अंदर चिमनी लगाया जाना प्रस्तावित नहीं है तथा खनन कार्य अधिकतम 02 मीटर की गहराई तक किया जायेगा। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 1039 दिनांक 28/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान की स्वीकृति का विवरण नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्ज किया जावेगा। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्वाईल – 3510 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.04 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.15 लाख प्रति वर्ष।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.54 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि(रु.में )
बामसौली आंगन बाड़ी के ग्राउंड और बाउंड्री वाल की मरम्मत का कार्य किया जाएगा एवं उसमें एक झूला लगाया जाएगा	54,000/-

2. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा
-----	--------------------------	---------------------	--------

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

	लिए नियत स्थान		(संख्या में)
1	बैरियर जोन में	चिरोल, नीम, जंगल जलेबी, सीताफल, खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	300
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	करंज, कदम, चिरोल, जंगल जलेबी, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	200
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	सीताफल, आवलौ, अमरुद, ग्राफ्टिंग मुनगा, पपीता, निम्बू, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	700
कुल			1200

**13. Case No 9510/2022 Shri Ishwar Rajput, R/o Village-Patadiya Dabi, Post-Bheswa Mataji District-Rajgarh (MP)-465697 Prior Environment Clearance for Patadiya Dabi Crusher Quarry in an area of 2.00 ha. (6027 Cum per annum) (Khasra No. 887/3/3/17), Village – Patadiya Dabi, Tehsil - Sarangpur, Dist. Rajgarh (MP)**

This is case of Crusher Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 887/3/3/17), Village – Patadiya Dabi, Tehsil - Sarangpur, Dist. Rajgarh (MP) 2.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री ईश्वर राजपुत (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम विशाल शुक्ला, ए सिरीज इंवारेटेक, नोएडा (उ.प्र.) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल पत्र क्रमांक 1028 दिनांक 29/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान का कुछ भाग खुदा हुआ है तथा क़ेशर स्थापित है, इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पूर्व में यह लीज किसी अन्य परियोजना प्रस्तावक को स्वीकृत थी एवं खदान क्षेत्र में उसी का क़ेशर तथा शेड स्थापित है तथा शेड का उपयोग उनके द्वारा किया जावेगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के पूर्व में 50 मीटर पर कच्चा रोड़ एवं दक्षिण दिशा में 120 मीटर पर शेड है तथा 300 मी. पर दक्षिण दिशा में आबादी/बसाहट है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि अनुमोदित खनन योजना अनुसार खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम से किया जायेगा तथा ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) राजगढ़ के पत्र क्रमांक 1028 दिनांक 29/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान की स्वीकृति का विवरण नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ी जावेगी समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 6027 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष ।
1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 13.75 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.60 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि(रु.में )
शासकीय प्राथमिक स्कूल, पटाडिया डाबी में एक कम्प्यूटर, प्रिंटर, प्रिंटर टेबल के साथ	60,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3600 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	सिस्सू, चिरोल, नीम, जंगल जलेबी, करंज, सफेद कस्टर, खमेर, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	कदम्ब, कचनार, चिरोल, नीम, पीपल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	200
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आवंला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	800
4	शासकीय प्राथमिक विद्यालय पटाडिया डाबी की बाउंड्री वॉल की तरफ एवं माँ चौसठ माता मंदिर की बाउंड्री एवं पहुँच मार्ग पर	कदम्ब, कचनार, सफेद कस्टर, चिरोल, नीम, पीपल, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ मंदिर – बेल, नीम, पुत्रंजीवा, मौलश्री, आँवला इत्यादि ।	400
कुल			2400

**617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 03 जनवरी 2023**

**14. Case No 9511/2022 Shri Raghvendra Gurjar, R/o Village & Post-Bhainsana, Tehsil-Narsinghgarh District-Rajgarh (MP)-465685 Prior Environment Clearance for Bhaisana Crusher Stone Quarry in an area of 1.00 ha. (5145 Cum per annum) (Khasra No. 390/2/2, 390/2/1), Village – Bhaisana, Tehsil - Narsinghgarh,, Dist. Rajgarh (MP)**

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 390/2/2, 390/2/1), Village – Bhaisana, Tehsil - Narsinghgarh,, Dist. Rajgarh (MP) 1.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 03/01/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राघवेन्द्र गुर्जर (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राम विशाल शुक्ला, ए सिरीज इंवारेटेक, नोएडा (उ.प्र.) उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) पत्र क्रमांक 1029 दिनांक 29/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर पश्चिमी दिशा में एक नहर 235 मी. एवं प्राकृतिक नाला -190 मी. पर उत्तर दिशा में तथा दक्षिण दिशा में 125 मी. की दूरी पर एक पक्का रोड स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन रॉक ब्रेकर के माध्यम से प्रस्तावित है जिसका उल्लेख माइनिंग प्लान में भी किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि अनुमोदित खनन योजना अनुसार खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम से किया जायेगा तथा ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) राजगढ़ के पत्र क्रमांक 1029 दिनांक 29/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान की स्वीकृति का विवरण नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ी जावेगी समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 5145 मी<sup>3</sup> प्रति वर्ष।
1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 09.26 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.21 लाख प्रति वर्ष।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि(रु.में)
----------	--------------

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

शासकीय माध्यमिक स्कूल, भैसाना में दो स्पोर्ट्स किट व दो अलमारी	60,000
--	--------

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, चिरोल, कस्टार, करंज, खमेर, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	700
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	कदम्ब, कचनार, चिरोल, नीम, पीपल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	100
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आवंला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	400
<b>कुल</b>			<b>1200</b>

### 15. Cases where PP has not submitted the desired information/pending since long/ remains absent from the SEAC meeting:

Following cases were appraised in various SEAC meetings wherein online query/clarification was sought from PP but even after 30 days reply/response from the PP is awaited:

SN	Case No. Activity	SEAC Meeting details in which query/clarification was sought from PP.
1.	<b>Case No 9082/2022</b> Shri Jagdish S/o Shri Ramchandra, Village - Jabardi, Tehsil - Pachore, Dist. Rajgarh, MP, Prior Environment Clearance for Murrum Quarry in an area of 2.0 ha. (20000 cum per annum) (Khasra No 507/2), Village - Jamonya Johar, Tehsil - Narsinghgarh, Dist. Rajgarh (MP)	Q- 607 <sup>nd</sup> dated 21/11/2022
2.	<b>Case No. – 5697/2018</b> Dy. Inspector General of Police (Works), Group Center, Centre Reserve Police Force (CRPF), Gwalior, MP – 474003 Prior Environment Clearance for Proposed Residential Colony in existing CRPF Campus area as C/o 1003 Nos Staff Quarters (900 Nos. Type II, 54 Nos. Type III, 33 Nos. Type IV, 16 Nos. Type V quarters) at village - Nayagaon, Dist. Gwalior, MP	Q- 607 <sup>nd</sup> dated 21/11/2022
3.	<b>Case No. – 5698/2018</b> Dy. Inspector General of Police (Works), Group Center, Centre Reserve Police Force (CRPF), Gwalior, MP Prior Environment Clearance for Proposed Construction of 5 Nos. 240 Men Barracks including Electrical Works at village - Panihar, Dist. Gwalior, MP Plot Area:14,060 sq.m., Built-up Area:21316.15 sq.m. (EIA)	Q- 607 <sup>nd</sup> dated 21/11/2022

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

Committee observed that PP of above cases have not submitted the desired information and cases are pending since long. In the entire above cases online query was raised through EDS. As per MoEF&CC OM dated 15/03/21 if:

*“the reply to EDS is not received on PARIVESH within 30 days, the proposal will be excluded from the pendency list shown on PARIVESH. However, the PP can relist the proposal through their respective login provisions, as and when they want to submit the EDS reply”.*

Recently, SEIAA vide letter no. 2590 dated 15/12/21 has communicated policy decision taken in their 694<sup>th</sup> meeting dated 26/11/21. According to the policy decision taken by SEIAA at point no.08 (SEAC should make final recommendations within 30 days for EC/ TOR).

The committee deliberated on the above and was of opinion that if PP's are not submitting desired information even after 60 days of appraisal their cases may be recommended for delisting and respective case files may be sent to SEIAA for onward necessary action assuming that PP is not interested to continue with the project. If later on PP interested in continuing with the proposal, they shall request SEIAA for relisting with proper justification for the same.

### 16. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा अध्यक्ष की अनुमति से

#### 1. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, शिवपुरी (संशोधित) – (अन्य गौण खनिज –रेत को छोड़कर)

आज दिनांक 03/01/2023 को शिवपुरी जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के अवलोकन करने पर समिति ने पाया कि जिले की राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की 604वीं बैठक दिनांक 05/11/2022 के परिपालन में पुनरिक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट हार्ड कापी के माध्यम से दिनांक 02/01/2023 को सेक कार्यालय में प्राप्त हुई है। जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (संशोधित) अन्य गौण खनिज (रेत को छोड़कर) का परीक्षण करने पर पाया गया कि:-

1. रिपोर्ट के तालिका क्र०. 03 (पेज न०. 08–19) में खदान की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में दी गई है, उपरोक्त जानकारी, तालिका के दो भागों में विभक्त करते हुये प्रस्तुत की गयी है, जैसे बिन्दु क्र०. 1 से 10 तक एक तालिका में एवं बिन्दु क्र०. 11 से 16 तक दूसरी तालिका में परन्तु व्यवहारिक रूप से यदि किसी खदान की जानकारी को देखने पर पाते हैं यदि किसी खदान की पूर्ण जानकारी अवलोकन करना चाहे (16 बिन्दुओं की) तो मिलान करना कठिन है



## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

एवं त्रुटि होने की संभावना भी है। अतएव दूसरी तालिका क्र०. 11 से 16 तक की तालिका में यदि पूर्व तालिका में से पट्टेदार का नाम शामिल कर लिया जावे तो तालिका को एकजायी रूप से पढ़ने में सुविधा होगी।

2. पेज क्र०. 22 जिसमें लीज धारकों द्वारा किये गये वृक्षारोपण जानकारी लीजवार प्रजाति सहित संख्यात्मक जानकारी दी जानी थी, किंतु इस तालिका में प्रस्तुत जानकारी लीजवार नहीं दी गयी है। अतः इससे यह प्रतीत नहीं हो रहा है, कि किसी लीज में कितने पेड़ लगे पाये गये हैं। अतः लीज धारकों द्वारा किये गये वृक्षारोपण की जानकारी लीजवार प्रजाति सहित दी जाये।

चर्चा उपरांत समिति की यह अनुशंसा है कि शिवपुरी की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट गौण खनिज (रेत खनिज को छोड़कर) को समिति की सुझाई गयी उपरोक्त अनुशंसाओं के तारतम्य में अद्यतन (अपडेट) किया जाये तथा संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट पुनः प्रस्तुत (हार्ड कॉपी एवं साफ्ट कॉपी) की जाये।

### 2. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, भिण्ड (रेत खनिज)

आज दिनांक 03/01/2023 को भिण्ड जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) हार्ड कॉपी में समिति के समक्ष प्रस्तुत की गयी। समिति ने पाया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भिण्ड के पत्र क्र०. 6763 दिनांक 29/12/2022 के द्वारा प्रेषित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (हार्ड कॉपी) दिनांक 02/01/2023 को सेक में प्राप्त हुई तथा सॉफ्ट कापी सेक को अभी तक अप्राप्त है।

समिति ने चर्चा उपरांत यह निर्णय लिया कि चूंकि भिण्ड जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट समिति द्वारा पूर्व में 575वीं बैठक दिनांक 30/05/2022 में अनुशंसित की जा चुकी है तथा कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भिण्ड के पत्र क्र०. 6763 दिनांक 29/12/2022 के माध्यम से प्राप्त जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के प्राथमिक अवलोकन से ऐसा प्रतीत होता है कि रेत खनिज की मात्रा में परिवर्तन किया गया है। अतः कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भिण्ड से सॉफ्ट कापी इस संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की प्राप्त की जाये एवं उसे सेक के सभी सदस्यों को परीक्षण एवं अनुशंसा हेतु अग्रेषित की जाये ताकि आगामी बैठक में इस पर चर्चा की जा सके। समिति की यह भी अनुशंसा है कि इस संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान संबंधित खनिज अधिकारी स्वयं उपस्थित हो ताकि यदि कोई स्पष्टीकरण या सुधार की आवश्यकता हो तो उसे उसी समय किया जा सके ताकि प्रकरण के निराकरण में विलम्ब न हो।

(चंद्र मोहन ठाकुर)  
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)  
अध्यक्ष

617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 03 जनवरी 2023

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

**Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:**

**Annexure- 'A'**

**Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:**

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
  - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
  - c. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
  - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
  - e. Method of mining (Manual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.  
36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

37. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई –

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :-** बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधों के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

### Annexure- 'B'

#### Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries\*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.

8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be  $1/4^{\text{th}}$  or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
  - f. Lease owner's Name, Contact details etc.

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

- g. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
  - h. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
  - i. Minable Potential of sand mine.
  - j. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
  - k. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
    - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
    - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
    - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
    - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
    - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
    - vi. The mining activity shall be monitored by the Taluk level Force once in a month by conducting physical verification.
    - vii. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
    - viii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
    - ix. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
  31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
  32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
  33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
  34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
  35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
  36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
  38. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।  
**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई –
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम्	गोलाई न्यूनतम्
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई ।		

### नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण ।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

### Annexure- 'C'

#### Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries\*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain



## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

- a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
  15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
  16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
  17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
  18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
  19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
  20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
  21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
  22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
  23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
  24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCC's Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
  25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
  26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    - l. Lease owner's Name, Contact details etc.
    - m. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    - n. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
    - o. Minalable Potential of sand mine.
    - p. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    - q. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
  27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
  28. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Anganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

**नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

**नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

**नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

**नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

**नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

**नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माइनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

### **Annexure- 'D'**

#### **General conditions applicable for the granting of TOR**

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCC's Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas shall be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2<sup>nd</sup> August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
  - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
  - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
  - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
  - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
34. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
  - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
  - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
  - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using "Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.

## 617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 03 जनवरी 2023

- ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area and handed over to Gram Panchayat after lease period.
  - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
  - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
  - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

**नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -**

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

**FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.**

36. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
37. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
38. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
39. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.

617वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 03 जनवरी 2023